809

1-4-18

रविवार

❀ आत्मा ❀

केवल अपनी "आत्मा"
को प्रसन्न करने के
लिये ही बांटते है,

बाबास्वामी
1-4-18

810

2-४-18

सोमवार

आत्मा

कुछ दिन के बाद
तो बाँटना ही "स्वभाव"
हो जाता है।

बाबास्वामी
2-४-18

811

3.4.18

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

बांटना तो कुदरती है,
लेकीन भितर से
तो "प्रेम" ही बांटा
जाता है, किया जाता
है,

बाबास्वामी
3-4-18

812

4.4.18

बुधवार

ꕥ आत्मा ꕥ

प्रेम सभी निरपेक्ष
भाव से करना
ही आत्मा का शुद्ध
स्वभाव है।

बाबास्वामी
4-4-18

813

5.५.18

गुरुवार

❀ आत्मा ❀

आत्म भाव विकसीत
हो जाने पर आत्मा
के गुण भी विकसीत
होने लग जाते है।

बाबास्वामी
5/5/18

814

6.4.18

शुक्रवार

आत्मा

आत्मा का भाव ही
इस विश्व में मनुष्य
को मनुष्य से जोड़
सकता है।

बाबास्वामी
6.4.18

815

7.5.18

शनीवार

आत्मा

इस लीये विश्व मे शांन्ती के लिये आत्मा के भाव को वृध्दीगत करे।

बाबास्वामी
7.5.18

816

8.4.18

रविवार

❀ आत्मा ❀

विश्व शांन्ती शुरवात
आप प्रथम आत्मशांन्ती
से प्रांरभ करे

बाबास्वामी
8|4|18

817

9-4-18

सोमवार

✿ आत्मा ✿

आत्म भाव सदैव बाहर चिन्ह रख कर नही भितर चिन्ह रख कर ही बढेगा।

बाबास्वामी
9-4-18

818

10-4-18

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

इस जगत में धनवान
वह है, जो अपने आप
को समय दे पाता है।

बाबास्वामी
10.4.18

819

11·4·18

बुधवार

❀ आत्मा ❀

आप अपने आपको
दिन मे कितना समय
देते है, देखे

बाबार-वामी

11-4·18

820

12.4.18

गुरुवार

आत्मा

परमात्मा तो आप के ही भितर है, आप दिन मे कितने समय भितर रहते है।

बाबास्वामी

12।4।18

821

13.4.18

शुक्रवार

ꕥ आत्मा ꕥ

आपके भितर का
परमात्मा आपके सबसे
करीब होता है,

बाबास्वामी

13/4/18

822

14.5.18
शनीवार

आत्मा

जिसने आप को बनाया
वह तो भितर ही है,
आप उसे कब मीलते है,

बाबार-वाणी
14.5.18

823

15.4.18
रवीवार

आत्मा

एक बार भितर वाला
मील गया। तो बाहर
की खोज ही बंद हो
जायेगी।

बाबास्वामी
15.4.18

824

16.4.18

सोमवार

❀ आत्मा ❀

भितर वाले को अगर बाहर खोजा तो जिवन मे निराशा ही हाथ लगेगी-

बाबास्वामी
16.4.18

825

17·5·18

मंगलवार

आत्मा

ध्यान कीया नही जाता है। ध्यान तो लग जाता है।

बाबास्वामी

17·5·18

826

18.4.18

बुधवार

आत्मा

हमको सब करने की आदत लगी है, हम ध्यान भी करते हैं।

बाबास्वामी
18.4.18

827
19.4.18

गुरुवार

आत्मा

30 मीनीट प्रती दिन
एक स्थान पर बैठकर
प्रथम शरीर को "स्थिर"
रहने की आदत डालो।

बाबास्वामी
19.4.18

828

20.4.18

शुक्रवार

आत्मा

30 मीनीट स्थिर बैठने मे "योगासन" मदतगार होते है. योगासन से उमारा हमारे शरीर पर नियत्रंण हो जाता है।

बाबास्वामी
20|5|18

829

२१.५.18

शनिवार

🌸 आत्मा 🌸

शरीर पर नियंत्रण हो जाने पर कुछ समय बाद "मन" पर भी नियंत्रण हो जाता है,

बाबास्वामी
२१.५.18

830

22-4-18

रविवार

❀ आत्मा ❀ शिर्डी

सद्गुरु (सामुहीक शक्ती) पर "चित्त" रखने पर चित्त पर भी नियत्रंण हो जाता है,

बाबास्वामी
22|4|18

831

23.4.18

सोमवार

❀ आत्मा ❀ शिर्डी

"ध्यान" तो कुछ दिन
के साधना के बाद
खुद ब खुद लग
जाता है, "ध्यान" किया
नहीं जाता हो जाता है।

बाबास्वामी

23.4.18

832

24.4.18

मंगलवार

❀ आत्मा ❀

शिर्डी

ध्यान सदैव "अपेक्षा"
रहीत करो अपेक्षा
ध्यान साधना को सदैव
अपवीत्र करती है।

बाबास्वामी
24-4-18

833

25.4.18

बुधवार

❀ आत्मा ❀ शिर्डी

"ध्यान" तो आत्मा और परमात्मा का सुरेख संगम होता है।

बाबास्वामी

25.4.18

834

26.4.18

गुरुवार

शिर्डी

ꕥ आत्मा ꕥ

ध्यान लो आत्मा को
प्राप्त "परमात्मा" का
सानीध्य होता है।

बाबास्वामी

26|5|18

835

27.4.18

शुक्रवार

शिर्डी

❀ आत्मा ❀

ध्यान लो देह के भाव से "मुक्त" अवस्था है।

बाबास्वामी

27.4.18

836

28.4.18

शनीवार

❀ आत्मा ❀ शिर्डी

"देह भाव" ही मनुष्य के सभी दुःखो का कारण है।

बाबास्वामी
28.4.18

337

29.4.18

रविवार

शिर्डी

आत्मा

देह के भाव से मुकती
ही "मोक्ष" की स्थिती
होती है।

बाबास्वामी

29.4.18

838

30.4.18

सोमवार

❀ आत्मा ❀ शिर्डी

सभी कर्मों से मुक्त
संपुर्ण समाधान की
अवस्था ही "मोक्ष" की
स्थिती कहलाती है।

बाबास्वामी
30.4.18